Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
July to September 2025, E-Journal, Vol. I, Issue LI (51), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग एवं क्षेत्र के आधार पर प्रभाव का अध्ययन

डॉ. उत्तरांजलि बिष्ट*

* एम.एससी.(बॉटनी) एम. एड. 6बी/115, आवास विकास, फेज-2, बुद्धि विहार, मुरादाबाद (उ.प्र.) भारत

शोध सारांश – उपलब्धि आधुनिक समाज का केंद्र बिंदु है जिसका मूल शैक्षिक उपलब्धि मानी जाती है। विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एक बहुआयामी घटना है जिस पर अनेक कारकों का प्रभाव होता है जिसमें पारिवारिक वातावरण सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक है। प्रस्तुत शोध में उत्तराखंड के गढ़वाल जनपद के उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण का प्रभाव देखा गया है। शोध न्यादर्श में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 512 छात्र-छात्राओं का चयन न्यादर्शन की असमान अनुपातिक स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है। शोध निष्कर्ष में पाया गया है कि लिंग व क्षेत्र के आधार पर छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर परिवार में नियंत्रण के स्तर का प्रभाव नहीं है।

शब्द कुंजी –पारिवारिक वातावरण, नियंत्रण, शैक्षिक उपलब्धि,उच्च माध्यमिक विद्यालय।

प्रस्तावना – शैक्षिक उपलब्धि छात्र के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण कारक माना जाता है यह बालक के जीवन में व्यावसायिक लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होती है। शैक्षिक उपलब्धि सामान्य शब्द है जिसका उपयोग किसी ऐसे निश्चित उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए किया जाता है जिसके लिए किसी निश्चित क्षेत्र अथवा विशिष्ट प्रयास, समर्पण एवं निश्चित स्तर के ज्ञान की आवश्यकता होती है। यह भी उल्लेख किया जाना आवश्यक है कि विद्यालय परीक्षा और परीक्षाओं में प्राप्त अंक अथवा ग्रेड संबंधित विषयों में प्राप्त जानकारी,ज्ञान एवं कौशल का परिणाम होते हैं। शैक्षिक उपलब्धि की परिभाषा शिक्षा विश्व कोष में इस प्रकार दी है कि,'किसी विशेष क्षेत्र अथवा पाठ्यक्रम में सफल उपलब्धि या प्रदर्शन सामान्य रूप से कौशल,कठिन परिश्रम एवं रुचि के परिणाम स्वरुप शैक्षिक उपलब्धि विभिन्न प्रकार के अंक ग्रेड या वर्णनात्मक टिप्पणी के रूप में होती है'।

पारिवारिक वातावरण–माता-पिता और बच्चों के बीच मौजूदा रिश्तों की व्यवस्था को परिवार कहा जाता है। परिवार सामाजिक व्यवस्था का सबसे पुराना एवं बुनियादी मानव समूह है। यह बालक के व्यक्तित्व विकास के लिए कई सामाजिक समूहों में से सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण है। जहां बालक अपने माता-पिता व परिवार के अन्य सदस्यों से उन सामाजिक मानदंडों को सीखना शुरू करते हैं, जिसमें वह स्वयं को पाते हैं। यह बालक की शिक्षा का आदर्श स्थान एवं सबसे महत्वपूर्ण समूह है। परिवार बच्चे का प्रथम विद्यालय है, जहां पर माता-पिता बच्चों के आदर्श शिक्षक होते हैं,जिन पर बच्चों के विकास की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। बच्चे की शिक्षा पर परिवार का गहरा प्रभाव होता है।

पारिवारिक वातावरण में कई आवश्यक तत्व पाए जाते हैं जिसमें मां की प्रतिक्रिया, अनुशासन, माता-पिता का बच्चे पर नियंत्रण, सुरक्षा शैली एवं माता-पिता एवं बच्चों के आपसी संबंध। किशोरावस्था में पारिवारिक वातावरण का बच्चे पर प्रभाव अधिक होता है जो उसके व्यक्तित्व एवं उपलब्धि को मुख्य रूप से प्रभावित करता है। यह अवस्था बालक में भावात्मक एवं शारीरिक परिवर्तनों को तेजी के साथ लाती है जिस कारण बालक को अतिरिक्त देखभाल, नियंत्रण एवं सुरक्षा की आवश्यकता होती है। क्योंकि किशोर बालक अधिक परिपक्वता के साथ अधिक जिम्मेदारी लेते हैं और स्वतंत्रता के लिए प्रयास करते हैं। इस परिवारिक पर्यावरण में उसके आत्मसम्मान और शैक्षिक उपलब्धि को घटाने या बढ़ाने की शक्ति होती है।

अध्ययन की आवश्यकता–आज की प्रतिस्पर्धात्मक एवं पूर्णता की दुनिया में हर कोई सफल होने की आकांक्षा रखता है। छात्रों के लिए इस सफलता में शैक्षिक उपलब्धि सम्मिलित है,जिसे उन स्तंभों के साथ अच्छी तरह से जोड़ा जाता है जो बालक के भविष्य की सफलताओं का समर्थन करते हैं। यही कारण है की माता-पिता अपने बालक की शैक्षिक उपलब्धि पर अत्यधिक ध्यान देने लगे हैं। इस प्रयोजन के लिए वे बालक पर कई प्रकार के दबाव,नियंत्रण एवं अनुशासनात्मक नियमों को थोपते हैं। जिसका प्रभाव अंतत: छात्र की शैक्षिक उपलब्धि पर होता है। इस शोध अध्ययन का मुख्य उद्देश्य छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण में बच्चों पर नियंत्रण के प्रभाव का अध्ययन करना है। आशा है कि यह शोध विषय वर्तमान शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक होगा एवं छात्र की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव को नए तथ्यों के साथ संदर्भित कर सकेगा।

समस्या कथन–'पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग एवं क्षेत्र के आधार पर प्रभाव का अध्ययन।'

शोध उद्देश्य

1. पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग के आधार पर प्रभाव का अध्ययन करना।

2. पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर क्षेत्र के आधार पर प्रभाव का अध्ययन करना।

अध्ययन का परिसीमांकन

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन उत्तराखंड के गढ़वाल जनपद तक ही सीमित है।
2. प्रस्तुत शोध में गढ़वाल जनपद के उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को ही सम्मिलित किया गया है।

शोध विधि-प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक शोध की सर्वे शोध अध्ययन विधि का उपयोग किया गया है। अत: शोध की प्रकृति सर्वे शोध की है। सर्वे शोध में वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी का वर्णन किया जाता है।

शोध जनसंख्या-यह शोध उत्तराखंड के गढ़वाल जनपद के उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों पर किया गया है। अत: प्रस्तुत शोध में गढ़वाल जनपद के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राएं जनसंख्या के रूप में सम्मिलित हैं।

शोध न्यादर्श-प्रस्तुत शोध अध्ययन में गढ़वाल जनपद के उच्च माध्यमिक विद्यालयों से 512 छात्र-छात्राओं का न्यादर्शन की असमान अनुपातिक स्तरीकृत यादृच्छिक विधि के आधार पर किया गया है। इस विधि में जनसंख्या को विभिन्न उप समूह में विभाजित किया जाता है। इसके बाद प्रत्येक उप समूह से न्यादर्श का चयन किया जाता है परंतु चयनित न्यादर्श उनकी जनसंख्या के अनुपात में नहीं होता है।

शोधार्थी ने 23 विद्यालयों (14 ग्रामीण क्षेत्र से वं 9 शहरी क्षेत्र से) का चयन न्यादर्श में किया। इन विद्यालयों में 512 छात्र-छात्राओं का चयन न्यादर्शन की असमान स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया,जिनमें से 307 छात्र छात्राएं ग्रामीण क्षेत्र से एवं 205 छात्र छात्राएं का शहरी क्षेत्र से चयन किया गया।इसी प्रकार 282 छात्र एवं 230 छात्राओं का चयन न्यादर्श में किया गया।

शोध उपकरण-प्रस्तुत शोध में करुणा शंकर मिश्रा द्वारा निर्मित 'Home Environment Inventory' का प्रयोग आंकड़ों के संग्रहण हेतु किया गया है विद्यालय के वार्षिक परीक्षा परिणाम को शैक्षिक उपलब्धि के रूप में संग्रहित किया गया है।

प्रदतों का सांख्यिकी विश्लेषण-शैक्षिक उपलब्धि -प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थिनी ने छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च माध्यमिक विद्यालयों से परीक्षा परिणाम के रूप में प्राप्त की एवं उसे तीन वर्गों में विभाजित किया 30 से 44 प्राप्तांक को निम्न स्तर,45 से 59 प्राप्तांक को औसत स्तर एवं 60 व उससे अधिक प्राप्तांक को उच्च स्तर की शैक्षिक उपलब्धि में विभाजित किया।

परिकल्पना. 1- छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी.1- छात्र एवं छात्राओं का माध्य, मध्यमान अंतर,मानक विचलन व टी.मान

लिंग	संख्या	माध्य	माध्य अन्तर	मानक विचलन	टी.मान	सार्थकता
छात्र	282	46.52	1.48	11.94	1.451	सार्थक
छात्राऐं	230	45.04		10.90		अन्तर नहीं है

उपरोक्त सारणी 1 के अवलोकन से यह स्पष्ट हो रहा है कि छात्रों का माध्य 46.52 है एवं मानक विचलन 11.94 है। वहीं छात्राओं का माध्य 45.04 है और मानक विचलन 10.90 है। इस प्रकार छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का औसत अंतर 1.48 है।

सार्थकता स्तर 0.05 पर टी.का गणना मान (calculated value) t=1.451है जो टी.के सारणीबद्ध मान (table value) t=1.96 से कम है। परिणामस्वरूप शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। अत: छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना.2-शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी.2-शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का माध्य, मध्यमान अंतर, मानक विचलन एवं टी.मान।

क्षेत्र	संख्या	माध्य	माध्य अन्तर	मानक विचलन	टी.मान	सार्थकता
ग्रामीण छात्र	307	45.73	0.31	11.47	0.306	सार्थक अन्तर नहीं है
शहरी छात्राऐं	205	46.04		10.56		

उपरोक्त सारणी 2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि ग्रामीण छात्रों का माध्य 45.73 है तथा मानक विचलन 11.47 है। वहीं शहरी छात्रों का माध्य 46.04 है तथा मानक विचलन 11.56 है। ग्रामीण एवं शहरी छात्रों के बीच मध्यमान अंतर 0.31 है।

सार्थकता स्तर 0.05 पर टी.का गणना मान (calculated value) t=.306 है जो की टी.के सारणीबद्ध मान(Table value) 1.96 से कम है। परिणामस्वरुप शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।

पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण का स्तर-पारिवारिक वातावरण में इन्वेंटरी के मैन्युअल के अनुसार नियंत्रण के स्तर को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है,जिसका आधार प्रतिशतांक(Percentile)है। P25 एवं इससे कम को निम्न स्तर,P26 से P74 को औसत स्तर और P75 या उससे अधिक को उच्च स्तर में विभाजित किया गया है।

परिकल्पना.3-छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी.3-छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण का माध्य,मानक विचलन एवं टी.मान।

आयाम	लिंग	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी.मान	सार्थकता
नियन्त्रण	छात्र	282	23.98	6.405	3.755	सार्थक
	छात्राऐं	230	21.74	7.071		अन्तर नहीं है

उपरोक्त सारणी 3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि परिवार में नियंत्रण के आधार पर छात्रों का माध्य 23.98 तथा मानक विचलन 6.405 है। वहीं छात्राओं का माध्य21.74 तथा मानक विचलन 7.071 है।

सार्थकता स्तर 0.01 पर टी.का गणना मान 3.755 है,जो की टी.के सारणीबद्ध मान से अधिक है। परिणामस्वरुप शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है। अत: छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण के आधार पर सार्थक अंतर है।

परिकल्पना.4- शहरी एवं ग्रामीण छात्रों के पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी.4- शहरी एवं ग्रामीण छात्रों के पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण

का माध्य, मानक विचलन एवं टी.मान।

आयाम	क्षेत्र	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी.मान	सार्थकता
नियन्त्रण	ग्रामीण	307	24.96	4.870	0.751	सार्थक
	शहरी	205	21.32	6.846		अन्तर नहीं है

उपरोक्त सारणी 4 के अवलोकन से स्पष्ट हो रहा है कि परिवार में छात्रों पर नियंत्रण के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों का माध्य 24.96 तथा मानक विचलन 4.870 है। वहीं शहरी क्षेत्र के छात्रों का माध्य 21.32 तथा मानक विचलन 6.846 है।

सार्थकता स्तर 0.05 स्तर पर टी.का गणना मान .751 है जो टी. के सारणीबद्ध मान 1.96 से कम है। परिणामस्वरुप शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। अत: शहरी एवं ग्रामीण छात्रों के पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।

पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंध–

चर	छात्रों की संख्या	सहसम्बन्ध	सार्थकता स्तर
शैक्षिक उपलिब्ध	512	0.708**	0.01
परिवारिक वातावरण	512		

उपरोक्त सारणी 5 के अवलोकन से यह ज्ञात हो रहा है कि छात्रों के पारिवारिक वातावरण एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध गुणांक .708** है जो की सार्थकता.01 पर सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण है। इसके अनुसार पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच एक सहसंबंध है। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है की छात्रों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है एवं पारिवारिक वातावरण को बदलने पर छात्र की शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित होती है।

निष्कर्ष–छात्रों के जीवन में सफलता प्राप्त करने का सार उनकी शैक्षिक उपलब्धि को माना जाता है। पारिवारिक वातावरण का छात्र के व्यक्तित्व पर निर्णायक एवं स्थाई प्रभाव पड़ता है। इसमें छात्र की शैक्षिक उपलब्धि भी निर्णायक रूप से प्रभावित होती है। प्रस्तुत शोध में पारिवारिक वातावरण में छात्रों के व्यवहारों पर नियंत्रण के आधार पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव ज्ञात किया गया है। शोध परिणामों में पाया गया है कि–

1. लिंग अर्थात छात्र एवं छात्राओं के आधार पर छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है। परंतु लिंग के आधार पर अर्थात छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण के स्तर में सार्थक अंतर है। निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है कि लिंग के आधार पर छात्रों के परिवार में नियंत्रण का स्तर उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित नहीं करता है।
2. क्षेत्र के आधार पर छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। इसी प्रकार क्षेत्र के आधार पर अर्थात शहरी क्षेत्र के विद्यालय के छात्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय के छात्रों के पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है कि ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण का प्रभाव नहीं पड़ता है।

अत: उत्तराखंड के गढ़वाल जनपद के उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग एवं क्षेत्र के आधार पर पारिवारिक वातावरण में नियंत्रण का प्रभाव नहीं पाया गया है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. A., Maldonado-Macías, A. A., Arredondo-Soto, K. C., Baez-Lopez, Y., Carrillo-Gutiérrez, T., & Hernández-Escobedo, G. (2020) the Impact of Environmental Factors on Academic Performance of University Students Taking Online Classes during the COVID-19 Pandemic in Mexico Sustainability, 12(21), 9194
2. Abhishek Srivastava "Effect of School Environment on the Academic Achievement of Students" January 2022 DOI:10.52984/ijomrc2114
3. Achievement- A casual Model. 2nd International Conference on Education and Management Technology. vol-13,pp- 200-204
4. Adekola, B.O. (2012): Home and School factors as determinants of student's achievement in Senior Secondary School English comprehension in four South Western States. Research Journal in Organizational Psychology and Educational Studies. vol-1, issue-5, pp- 280- 283.
5. Bhadaria P. (2013): A Study on role of Emotional Intelligence for Academic Achievement for Students. Research Journal of Educational Sciences. Vol-1, issue-2, pp-8-12.
6. Bhadwal, P.S. and Sharma, D.(2012): Intelligence and Self- concept as Co-relates of Academic Achievement. Indian Streams Research Journal. vol- 2 , issue-9 , pp-1-5.
7. Chaudhari, V.P., Jain, 2005, Factors Contributing to Academic Under-achievement, Ph.D. Psy., Nag. U., pg660
8. Chen, J.J.L. (2009). Relation of parental, teacher and peer support to academic engagement and achievement among Hong Kong students. School Psychology Intern., 29,183-198.
9. Yara and Olatunde (2009): Relationship between Teachers attitude and students' Academic Achievement in Mathematics in some selected Senior Secondary Schools in South-western Nigeria. European Journal of Social Sciences. vol-11, issue-3, pp-364-369.
10. Zokaitluangi & Lalhunlawma (2005), "Intelligence and Academic Achievement in Relation to Parent-Child Relationship", Indian Journal of Psychometry & Education, Vol. 36(1).

****